भया मैं सतगुरु का बंदा कटचा भ्रम जाल का फंदा लिरिक्स

भया मैं सतगुरु का बंदा,

दोहा – सेवक कुंभ कुम्हार गुरु,
गढ़ गढ़ खाडे खोट,
रज्जब अंदर रक्षा करें,
बाहर मारे चोट।
हलवाई की हाट तज,
मां की कहीं न जाए,
रज्जब त्यों शिष्य बंदे,
कबहु न उड़े उडाय।

भया मैं सतगुरु का बंदा,
कटचा भ्रम जाल का फंदा।bd।

लगे रज दर्पण में जैसे,
जमा था मल जिगर तैसे,
लगी शुभ कर्म की साबुन,
धुला दिल दाग जो गंदा,
भया में सतगुरु का बंदा,
कटचा भ्रम जाल का फंदा।bd।

ध्यान निर्धन का क्यों वित में,
बना गुरु शब्द का चित में,
दिया गुरुदेव जो चिंतन,
मिटा विक्षेप निसंदा,
भया में सतगुरु का बंदा,
कटचा भ्रम जाल का फंदा।bd।

शीला को गढ़ सिलावट जु,
हटा दे भाग आवट जु,
अनातम भाग मिथ्या में,
लगा निजी ज्ञान का रंधा,
भया में सतगुरु का बंदा,
कटचा भ्रम जाल का फंदा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मिटा अध्यत अंश जोई,
रहा प्रत्यक्ष सत सोई,
सर्व अधिष्ठान ब्रह्म मूर्ति,
वही आत्म चिदा नंदा,
भया में सतगुरु का बंदा,
कटचा भ्रम जाल का फंदा।bd।

जो गुरु चेतन भारती पाया,
निज स्वरूप दर्शाया,
भारती पूरण भया जब ही,
उगा जब जान का चंदा,
भया में सतगुरु का बंदा,
कटचा भ्रम जाल का फंदा।bd।

भया में सतगुरु का बंदा,
कटचा भ्रम जाल का फंदा।bd।

गायक – पुरण भारती जी महाराज।
Upload By – Aditya Jatav
8824030646

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com